MPA

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए.

जुलाई 2016 और जनवरी 2017 सत्र के
सत्रीय कार्य
(एम.ए. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

एम.ए. द्वितीय वर्ष (लोक प्रशासन)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

एम.ए. (लोक प्रशासन) कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक–एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्रीय कार्यों को हल करने से पहले कृपया अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

प्रस्तुतीकरण :

टिप्पणी : इस पुस्तिका में एम.ए. द्वितीय वर्ष में उपलब्ध सभी छह पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य शामिल हैं। किंतु आपको केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य करने होंगे, जिन्हें आपने अपने द्वितीय वर्ष में लिया है। आपसे अनुरोध है कि आप सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा करा दें ताकि आप सत्रांत परीक्षा दे सकें।

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए–015, एम.पी.ए–016, एम.पी.ए–017, एम.पी.ए–018 **एम.एस.ओ–002 और एम.पी.एस–003 का सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)**	**जुलाई 2016 सत्र के लिए 31 मार्च 2017** **जनवरी 2017 सत्र के लिए 30 सितंबर 2017**	**अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को**

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. ई. वायुनंदन और प्रो. अलका धमेजा
कार्यक्रम संयोजक
एम.ए. (लोक प्रशासन)

एम.पी.ए–015 : लोक नीति और विश्लेषण
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–015
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016–2017
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. नीति चक्र की विभिन्न अवस्थाओं का उल्लेख कीजिए और लोक नीति में उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। 20

2. तर्कसंगत नीति–निर्माण मॉडल का विश्लेषण कीजिए। 20

3. नीति–निर्माण में अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों की भूमिका का विवेचन कीजिए। 20

4. नीति कार्यान्वयन में प्रशासनिक संगठनों की भूमिका और उत्तरदायित्वों की व्याख्या कीजिए। 20

5. "नीति–निर्माण में नागरिक समाज महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।" चर्चा कीजिए। 20

भाग–II

6. नीति मॉनीटरिंग के महत्व पर प्रकाश डालिए और प्रभावी मॉनीटरिंग के लिए आवश्यक उपाय सुझाइए। 20

7. नीति कार्यान्वयन में अवधारणात्मक, राजनीतिक और प्रशासनिक समस्याओं की व्याख्या कीजिए। 20

8. प्रभाव/आकलन की समस्याओं और सीमाओं का वर्णन कीजिए। 20

9. लोक नीति में लागत–लाभ विश्लेषण की उपयोगिता की चर्चा कीजिए। 20

10. भारत की दूरसंचार नीति और दूरसंचार के क्षेत्र पर इस नीति के प्रभाव की चर्चा कीजिए। 20

एम.पी.ए–016 : विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–016
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016–2017
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के संवैधानिक आयामों का विवेचन कीजिए। 20

2. 'सशक्तिकरण क्या है? भारत में सशक्तिकरण के लिए किए गए विभिन्न प्रकार के प्रयासों की चर्चा कीजिए । 20

3. विकेंद्रित विकास के घटकों से आगे चलकर विकास के लाभों का समान वितरण कैसे होता है? 20

4. 'विशिष्ट और एकल कार्य वाले अभिकरणों ने स्थानीय शासन की आत्मा को खत्म किया है।' चर्चा कीजिए। 20

5. स्थानीय शासन के उद्देश्यों को प्राप्त करने में विकेंद्रित विकास के प्रभाव की व्याख्या कीजिए। 20

भाग–II

6. स्थानीय शासन के बारे में विभिन्न समितियों की महत्वपूर्ण सिफारिशों की चर्चा कीजिए। 20

7. 'ग्यारहवीं अनुसूची का अध्ययन बताता है कि स्थानीय निकायों को प्रमुख दायित्व सौंपे गए हैं। चर्चा कीजिए। 20

8. लधु–स्तरीय योजनाओं के महत्व और मुद्दो का वर्णन कीजिए। 20

9. स्थानीय शासन में जन–भागीदारी के तौर–तरीकों पर प्रकाश डालिए। 20

10. सतत् विकास को परिभाषित कीजिए और सतत् विकास एवं शासन के बीच अंतर्संबंध का उल्लेख कीजिए। 20

एम.पी.ए–017 : ई–गवर्नेंस
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–017
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016–2017
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. ई–शासन को परिभाषित करते हुए इसके कानूनी एवं नीतिगत ढाँचे का वर्णन कीजिए। 10

2. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर घटकों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 10

3. भौगोलिक सूचना प्रणाली और नियोजन एवं निर्णयन में उसकी भूमिका की व्याख्या कीजिए। 10

4. कृषि में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

5. आंध्र प्रदेश के ई–पंचायत मॉड्यूल की चर्चा कीजिए। 10

भाग–II

6. आभासी अध्ययन परिवेश का उल्लेख कीजिए। 10

7. संगठनों, उपभोक्ताओं और समाज को ई–वाणिज्य (ई–कॉमर्स) से होने वाले लाभों पर प्रकाश डालिए। 10

8. परंपरागत प्रशासनिक संस्कृति को किस प्रकार प्रौद्योगिकी–समर्थ बनाया जा सकता है? 10

9. नागरिक सेवाओं के वितरण में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका का उल्लेख कीजिए। 10

10. आंध्रप्रदेश की ई–सेवा परियोजना के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं की चर्चा कीजिए। 10

एम.पी.ए–018 : आपदा प्रबंधन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–018
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016–2017
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. विकास और पर्यावरण के बीच संबंध का विवेचन कीजिए। 10

2. जोखिम अल्पीकरण (risk reduction) को परिभाषित कीजिए और समग्र आपदा जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण (Total Disaster Risk Management Approach - TDRM) के महत्व पर प्रकाश डालिए। 10

3. भूकंप संवेदनशीलता न्यूनीकरण के लिए क्षमता निर्माण का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए। 10

4. 'जोखिम सहभजन और हस्तांतरण द्वारा आपदा समुत्थान शक्ति का निर्माण' पर चर्चा कीजिए। 10

5. समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

भाग–II

6. खोज, बचाव और निष्क्रमण के महत्व की व्याख्या कीजिए और इसकी विभिन्न तकनीकों का वर्णन कीजिए। 10

7. अस्थायी आश्रय व्यवस्था संबंधी प्रावधानों के मार्गदर्शी सिद्धांतों का मूल्यांकन कीजिए। 10

8. आपदा पुनरुत्थान में समस्या क्षेत्रों का विश्लेषण कीजिए। 10

9. विभिन्न आपदा प्रबंधन कार्यनीतियों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए। 10

10. आपदा प्रबंधक की भूमिका और कार्यों की चर्चा कीजिए। 10

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एम.एस.ओ.–002 : शोध पद्धतिशास्त्र एवं विधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

कुल अंक : 100 **कार्यक्रम कोड : एमएसओ**
अधिभारिता : 30%: **पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ–002**
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ–002/
सत्रीय कार्य/टीएमए/2016–17

भाग–I

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही *दो* के उत्तर दीजिए।

1. घटनाविज्ञान क्या है? मार्टिन हेडैगर के योगदान को ध्यान में रखते हुए व्यक्त कीजिए। 25

2. प्रत्यक्षवाद क्या है? गिड्डनस के शब्दों में प्रत्यक्षवाद आलोचना की चर्चा कीजिए। 25

3. ''समाजशास्त्र और सामाजिक एवं सामाजिक मानवविज्ञान की तुलनात्मक विधि के पथप्रदर्शक, सभी काफी हद तक उद्विकास के सिद्वांत से प्रभावित थे''। चर्चा कीजिए। 25

4. क्षेत्र (field) शोध की प्रासंगिकता की चर्चा, उचित उदाहरण देते हुए कीजिए। 25

5. सामाजिक विज्ञान शोध में नारीवादी विधि की प्रकृति और विस्तार की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 25

भाग–II

निम्नलिखित में से किसी *एक* विषयवस्तु पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

6. शिक्षा, महिला सशक्तीकरण के एक साधन के रूप में 50

7. भारत में अंकीय (डिजिटल) विभाजन 50

8. शिक्षा के लोकतंत्रीकरण में मुक्त एंव दूर शिक्षा का महत्व 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा के लिए आपको, अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। अध्ययन की अवस्थिति और इन

अध्ययनों में प्रयुक्त पद्धतिशास्त्र और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए समीक्षा पूरी कीजिए।

प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययनों को एकत्र करना होगा और चयनित विषयवस्तु पर रिपोर्ट, तुलनात्मक ढाँचें में लिखें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- मुद्दें को वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे में समस्या के रूप में अभिव्यक्त करें;
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों को संसक्त रूप से व्यक्त करें, और
- उचित संदर्भ (बिंदुओं) का उल्लेख अंत में करें।

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एमपीएस-003/एएसएसटी/टीएमए/2016–2017
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – क

1. भारत में सामाजिक असमानता किस प्रकार राजनीतिक और विकास नीतियों को प्रभावित करती है ? स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित बिंदुओं पर 250 शब्दों (प्रत्येक) में आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए :

   क) योजना का विचार

   ख) राज्य सभा

3. भारतीय लोकतंत्र में पुलिस की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

4. भारतीय लोकतंत्र में 73वाँ संविधान संशोधन के महत्त्व की विवेचना कीजिए।

5. 'तेभागा आंदोलन' पर एक निबंध लिखिए।

भाग – ख

6. निम्नलिखित विषयों पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

   क) भारत में संघीय तंत्र की कार्यप्रणाली

   ख) भारतीय लोकतंत्र में जाति

7. निम्नलिखित बिंदुओं पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी कीजिएः

   क) सतत् विकास

   ख) भारत में पंचायतीराज व्यवस्था

8. संजातीयता (Ethnicity) की चुनौतियों पर राज्य की प्रतिक्रिया की प्रकृति का विश्लेषण कीजिए।

9. निम्नलिखित बिंदुओं पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी कीजिए :

   क) सत्तावाचक लोकतंत्र (Substantive Democracy)

   ख) भारत में धार्मिक राजनीति

10. समकालीन किसान आंदोलनों पर टिप्पणी कीजिए।